शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति सम्बंधित शैक्षिक चिंता का तुलनात्मक अध्ययन

शोध छात्रा
श्रीमती बबली रीना साहू
देव संस्कृति कॉलेज ऑफ़ एजु.
एंड टेक्नोलोजी, खपरी दुर्ग

शोध निर्देशक
डॉ. नीरा पाण्डेय
प्रोफेसर (शिक्षा विभाग)
श्री शंकराचार्य महाविद्यालय
जुनवानी, भिलाई

भूमिका :-

प्राचीन समय में गुरुकुल पद्धति से शिक्षा प्रदान किया जाता था | उस समय शिक्षा मौखिक रूप से दी जाती थी | कुछ समय पश्चात समाज के विकास के साथ–साथ पद्धति में सुधार आता गया और शिक्षक पुस्तक और श्यामपट्ट के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने लगे यह शिक्षा छात्रों के मातृभाषा एवं हिन्दी भाषा में दी जाती थी परन्तु जब अंग्रेजों का हमारे देश में आवागमन प्रारम्भ हुआ उस समय के पश्चात से शिक्षा में अंग्रेजी भाषा का भी महत्त्व बढ़ने लगा और एक समय के पश्चात अंग्रेजी भाषा का महत्व इतना बढ़ गया कि प्रत्येक अभिभावक पाश्चात्य भाषा पर शिक्षा प्रदान करने को महत्त्व देने लगे इससे बिना भाषा के ज्ञान के बालकों को शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होने लगी और उनके सामने भाषा के ज्ञान की समस्या उत्पन्न होने लगी | जिसके कारण उनकी शिक्षा पर प्रभाव पड़ने लगा | भाषा की कठिनाई दोनों माध्यमों के छात्रों को होती है क्योंकि व्याकरण सम्बन्धी ज्ञान छात्रों को पूरी तरह नहीं होता है बिना व्याकरण के ज्ञान के छात्र भाषा सम्बन्धी परीक्षा में कठिनाई का अनुभव करते है | हिन्दी माध्यम के छात्रों को अंग्रेजी भाषा के व्याकरण का ज्ञान नहीं होता और अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के हिन्दी भाषा के व्याकरण का ज्ञान नहीं होता | जब एक साथ एक ही दिन एक ही समय पर दो अलग-अलग भाषाओं की परीक्षा समन्वित रूप से दिलाना पड़ता है तो उनकी शैक्षिक चिंता और अधिक बढ़ जाती है | इस शोध के माध्यम से हम शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड. के विद्यार्थियों पर अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करेंगे |

चिंता :-

सामान्यतः चिंता का आशय ऐसी मनः स्थिति से है जिससे व्यक्ति आशंका , असुरक्षा एवं भय की भावना से परेशान रहता है उसे लगता है कि उस पर विपत्ति आने वाली है कोई संकट आ सकता है इस प्रकार तनाव ग्रस्त हो जाता है |

कून 2003 के अनुसार – चिंता का आशय आशंका तनाव या ऐसे भय अदृश्य तनाव से है जिसका आधार अस्पष्ट खतरा है |

सारसन एवं सारसन 2002 के अनुसार – चिंता सामान्यतः ऐसी असुखद संवेगात्मक दशा है जिसमे दैहिक उद्दोलन तथा आशंका अपराध बोध एवं संकट की संभावना अनुभव की जाती है|

सम्बंधित शोध अध्ययन :-

1. **शर्मा गौरी एवं पाण्डेय दीपक (2017)** ने छात्रों के शैक्षणिक चिंता और तनाव सम्बंधित विषय पर अध्ययन किया, जिसमे यह निष्कर्ष निकलता है कि शैक्षणिक चिंता, मानसिक बिमारी और तनाव सीधे दैनिक जीवन में छात्रों के साथ जुड़े है और शैक्षणिक उपलब्धि के स्तर को प्रभावित करते है |

2. **घातल स्नेहलता डी (2017)** ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच शैक्षिक चिंता तथा उनके कारणों व लक्षणों का अध्ययन किया और यह निष्कर्ष पाया कि किशोरावस्था के दौरान चिंता के कारण – अध्ययन, नशीली दवाओं का दुरुपयोग, क्षमता की कमी के कारण परेशान, पारिवारिक वातावरण तथा साथियों के साथ उनके सम्बन्ध ने काफी चिंता पैदा कर दिया है |

3. **याजिसी कुबिले (2017)** इन्होने छात्रों में सीखने की शैली, परीक्षण की चिंता और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सम्बंधों का अध्ययन किया,जिसमे यह परिणाम प्राप्त हुए कि परीक्षण की चिंता पैमाने के प्रयोग द्वारा इसके नकारात्मक प्रभाव प्राप्त हुए तथा सीखने की शैली व शैक्षिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण सम्बन्ध पाया गया |

4. **सिन्धु पी एवं बाशा अजमल (2017)** ने छात्रों के बीच शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ चिंता व तनाव के सम्बन्ध का अध्ययन किया, जिसमे निष्कर्ष से पता चलता है कि छात्रों के चिंता व शैक्षिक अंक में एक सम्बन्ध मौजूद है, कम और उच्च दोनों के लिए तनाव व चिंता का स्तर उच्च पाया गया |

5. **अतीक उल रहमान (2016)** इनके अध्ययन का मूल उद्देश्य विभिन्न कारको को जानना था, जो उच्च शिक्षा वाले छात्रों को गंभीर शैक्षणिक चिंता के लिए प्रेरित करते है | जिनके परिणाम यह प्राप्त हुए कि छात्रों के बीच गंभीर चिंता को बढ़ने में संभावित व्यक्तिगत, पारिवारिक, संस्थागत, सामजिक और राजनितिक कारक है |

6. **ईमान (2016)** ने भारत के उच्च शिक्षा के छात्रों में शैक्षिक चिंता के कारणों एवं निवारक उपायों के बीच एक खोजी अध्ययन में पाया कि चिंता ज्यादातर छात्रों के शैक्षणिक उपलब्धि में बाधा के रूप में काम करती है |

7. **बंगा लाल चमन,शर्मा कुमार सुरेंदर (2016)** इनके अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच शैक्षणिक चिंता का अध्ययन और तुलना करना है जिसमे ग्रामीण व शहरी माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में शैक्षिक चिंता व घबराहट का अध्ययन किया गया और निष्कर्ष में यह पाया गया कि लड़के व लड़कियों के मा.वि. के छात्रों में तथा ग्रामीण व शहरी विद्यालय के छात्रों के शैक्षणिक चिंता में क्यों महत्वपूर्ण अंतर नहीं होता है|
8. **जोसेकिन एवं अन्य (2009)** ने हांगकांग में प्रथम वर्ष तृतीय शिक्षा के छात्रों में अवसाद, चिंता और तनाव अध्ययन में पाया कि हांगकांग के प्रथम वर्षीय, तृतीय शिक्षा के छात्रों में अवसाद, चिंता, तनाव का उच्च दर पाया गया |

अध्ययन का प्रयोजन :-

मनोविज्ञान बालक को शिक्षा का केंद्र बिंदु मानता है शिक्षा की व्यवस्था में बालकों की रुचियों क्षमताओं को आधार माना गया है और शिक्षा प्रदान करने के लिए सबसे बड़ा माध्यम भाषा होता है | बी.एड. के विद्यार्थियों को अंग्रेजी तथा हिन्दी दोनों ही विषय की परीक्षा समन्वित रूप से एक ही समय पर लीजाती है तब जो अंग्रेजी माध्यम के बालक होते है उन्हें हिन्दी और जो हिन्दी माध्यम के बालक होंते है उन्हें अंग्रेजी भाषा की परीक्षा की कठिनाई आती है जिसके कारण विद्यार्थियों में शैक्षिक चिंता दिखाई देने लगती है | इस अध्ययन में यही जानने का प्रयास किया गया है कि भाषा का प्रभाव शैक्षिक चिंता को कहाँ तक प्रभावित करती है |

अध्ययन का उद्देश्य :-

1. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना |
2. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड.के छात्रों में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना |

3. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड.के छात्राओं में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना|
4. समन्वित परीक्षा पद्धति का शहरी बी.एड. के छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक चिंता पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना|
5. समन्वित परीक्षा पद्धति का ग्रामीण बी.एड. के छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक चिंता पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना|

परिकल्पना :-

1. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा|
2. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड.के छात्रों में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा|
3. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड.के छात्राओं में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा|
4. समन्वित परीक्षा पद्धति का शहरी बी.एड. के छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा|
5. समन्वित परीक्षा पद्धति का ग्रामीण बी.एड. के छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा|

अध्ययन की परिसीमा :-

1. अध्ययन के लिए दुर्ग एवं रायपुर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड. महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं को न्यादर्श के रूप में सम्मिलित किया गया है|
2. अध्ययन हेतु दुर्ग एवं रायपुर के महाविद्यालय के अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम के छात्र एवं छात्राओं को न्यादर्श के रूप में सम्मिलित किया गया है |

शोध प्रारूप :-

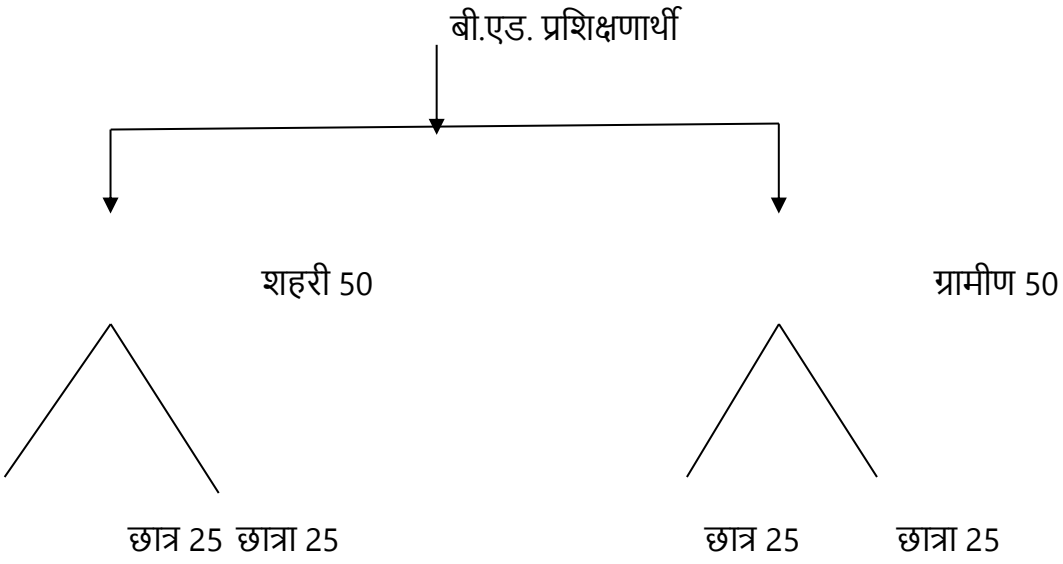

न्यादर्श :-

प्रस्तुत शोध अध्ययन में यादृच्छिक विधि का चयन किया गया है इस अध्ययन में दुर्ग एवं रायपुर दोनों ही जिलों के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के 50 अंग्रेजी एवं 50 हिन्दी माध्यम के बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया है |

न्यादर्श सारणी :- अध्ययन हेतु दुर्ग एवं रायपुर के महाविद्यालय के अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम के चयनित छात्र एवं छात्राओं की कुल संख्या

क्र.	तुलनात्मक समूह	अंग्रेजी माध्यम के छात्र/छात्रा	हिन्दी माध्यम के छात्र/छात्रा	कुल
1.	शहरी	25	25	50
2.	ग्रामीण	25	25	50
		50	50	100

उपकरण :- शैक्षिक चिंता के मापन हेतु स्वनिर्मित मापनी का उपयोग किया गया है | जिसकी विश्वसनीयता व वैधता निकाल कर उसे प्रमापीकृत भी किया गया है|

सांख्यिकी अभिप्रयोग :-

परिकल्पनाओं के सत्यापन हेतु प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण मध्यमान ,मानक विचलन तथा सार्थकता ज्ञात करने हेतु T- परीक्षण का प्रयोग किया गया है|

परिकल्पना :-

H_{01}

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा|

Table No – 1
शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक चिंता तालिका

क्र.	तुलनात्मक समूह	N	M	SD	T-मूल्य
1.	शहरी विद्यार्थी	50	19.38	8.59	0.53
2.	ग्रामीण विद्यार्थी	50	18.52	7.57	

df = 98 (0.05) = 1.98 >0.53 सार्थक अंतर नहीं है |

सारणी से ज्ञात होता है कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा | इनके बीच जोT-मूल्य प्राप्त हुआ है वह df = 98 (0.05) = 1.98 >0.53 है, अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है |

H_{02}

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड.के छात्रों में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा |

Table No –2

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड छात्रों की शैक्षिक चिंता तालिका

क्र.	तुलनात्मक समूह	N	M	SD	T-मूल्य
1.	शहरी छात्र	25	16.56	8.16	0.08
2.	ग्रामीण छात्र	25	16.4	4.93	

df = 48 (2.01) >0.08 सार्थक अंतर नहीं है |

सारणी से ज्ञात होता है कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड.के छात्रों में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा क्योंकि इनके बीच जो T-मूल्य प्राप्त हुआ है df = 48 (2.01) > 0.08 है , अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है |

H_{03}

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड.के छात्राओं में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा |

Table No –3

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड छात्राओं की शैक्षिक चिंता तालिका

क्र.	तुलनात्मक समूह	N	M	SD	T-मूल्य
1.	शहरी छात्रा	25	22.2	8.16	0.67
2.	ग्रामीण छात्रा	25	16.4	7.45	

df = 48 (2.01) >0.67 सार्थक अंतरनहीं है|

सारणी से ज्ञात होता है कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड.के छात्राओं में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा क्योंकि इनके बीच जो T-मूल्य प्राप्त हुआ है df = 48 (2.01) > 0.67 है , अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है |

H_{04}

समन्वित परीक्षा पद्धति का शहरी बी.एड. के छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा|

Table No –4

शहरी बी.एड. छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक चिंता तालिका

क्र.	तुलनात्मक समूह	N	M	SD	T-मूल्य
1.	बी.एड छात्र	25	18.84	9.23	0.46
2.	बी.एड छात्रा	25	17.32	8.23	

df = 48 (2.01)>0.46 सार्थक अंतर नहीं है|

सारणी से ज्ञात होता है कि अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का शहरी बी.एड. के छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा क्योंकि इनके बीच जो T-मूल्य प्राप्त हुआ है df = 48 (2.01) > 1.17 है , अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है |

H_{05}

समन्वित परीक्षा पद्धति का ग्रामीण बी.एड. के छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा|

Table No –5

ग्रामीण बी.एड. छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक चिंता

तालिका

क्र.	तुलनात्मक समूह	N	M	SD	T-मूल्य
1.	बी.एड छात्र	25	20.28	8.57	0.51
2.	बी.एड. छात्रा	25	19.72	6.71	

df = 48 (2.01) > 0.51सार्थक अंतर नहीं है|

सारणी से ज्ञात होता है कि अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति का ग्रामीण बी.एड. के छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक चिंता पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा क्योंकि इनके बीच जो T-मूल्य प्राप्त हुआ है df = 48 (2.01) > 0.51 है , अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है |

संदर्भित ग्रन्थ :-

अतीक उल रहमान (2016). एकेडेमिक एन्जाईटी एमंग हायर सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेंट ऑफ़ इण्डिया, कौसेस एंड प्रिवेंटिव मिजर रु एन एकस्पोलेटरी स्टडी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मॉडर्न सोशल साइंस, Vol. 5(2) : 102 -116.

ईमान दावूद (2016). रिलेशनशिप बिटवीन टेस्ट एन्जाईटी एंड एकेडेमिक अचीवमेंट एमंग अंडरग्रेजुएट नर्सिंग स्टूडेंट्स, जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड प्रैक्टिस , Vol. 7 . No. 2 , 57 – 65.

घातल स्नेहलता डी. (2017). एकेडेमिक स्ट्रेस एमंग हायर सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेंट्स : ए रिव्यु : IJARET Vol. 4 , 1-14 .

जोसेकिन, जी.डब्ल्यू.एस., वांग इरीकसी, टी. किट्टी चेइंग चान, के.सी. कमला के. एम.मा सिक वा टन (2006). वैल बसेड सुरवेथ ऑफ़ डिप्रेशन एक्सीईटी एंड स्ट्रेस इन फस्ट इयर टीरटी अरी एजुकेशन स्टूडेंट्स इन हांगकांग ऑस्ट्रेलियन एंड न्यूजीलैंड जर्नल ऑफ़ साइकीअरी- 40, 777-782.

पी.सिन्धु,बाशा अजमल एस. (2017). इम्पैक्ट ऑफ़ डिप्रेशन, एन्जाईटी एंड स्ट्रेस ऑन एकेडेमिक अचीवमेंट एमंग इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स . इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंडियन साइकोलॉजी , Vol. 5 , (1).

बंगा लाल चमन, शर्मा कुमार सुरेंदर (2016). ए स्टडी ऑफ़ एकेडेमिक एन्जाईटी ऑफ़ सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेंट ऑफ़ काँगड़ा डिस्ट्रिक्ट इन रिलेशन टू जेंडर, लोकल एंड सोशल कैटेगरी. इंटरनेशनल मल्टी डिसिप्लिनरी इ-जर्नल, Vol. – v , 46 – 55 .

याजिसि कुबिले (2017). दि रिलेशनशिप बिटवीन लर्निंग स्टाइल, टेस्ट एन्जाईटी एंड एकेडेमिक अचीवमेंट . यूनिवर्सल जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च, Vol. 5 (1) : 61 – 71 .

शर्मा गौरी , पाण्डे दीपक (2017). एनर डिपरेशन एंड स्ट्रेस इन एनक्सीटी रिलेशन टू एकेडेमिक अचीवमेंट अमंग हायर सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेंट्स, द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंडियन फिलासाफी, , Vol. 4 (2) : 82 -89.